Daily Gospel Reflections in Hindi

24 August 2019

लूकस 6: 12 - 19

Jesus Chooses the Apostles

वर्तमान में हम इंसान को स्वार्थता का गुलाम देखते हैं। हर संपत्ति, हर संसाधन और हर वस्तु पर हर इंसान अपना एकाधिकार चाहता है। आलम यह है कि हर संभव सुख–सुविधा से संपन्न इस सुंदर पृथ्वी को पूरी तरह से नष्ट करने के बाद हम चंद्रमा और मंगल गृह पर अपना अधिकार जताने की ओर बढ़ रहें है। कहने बोलने को हम इसे विज्ञान और मनुष्य की प्रगति मानते हैं पर क्यों हमें यह कदम उठाना पड़ रहा और ईश्वर द्वारा दी गई यह धरती और इसके संसाधन हमारे लिए कम पड़ने लगें हैं? क्या इसका कारण हमारा स्वार्थ, लालच और बैर नहीं?

आज के सुसमाचार में हम पड़ते कि प्रभु येसु ने रात भर प्रार्थना करने के बाद बारह प्रेरितों को चुना और सिर्फ चुना ही नहीं उन्हें हर वह शक्ति सार्मथ्य् दिया जो स्वयं उनके पास थी। प्रभु ने यह इस लिए किया कि वे अपनी शक्ति और वरदान अन्य लोगों के साथ बाँटने को तैयार थे। उनके अंदर भी स्वार्थ होता तो वे अपना अधिकार प्रेरितों के साथ नहीं बाँटते और स्वयं ईशपुत्र होने का दंभ भर कर घूमते फिरते। लेकिन वे जानते थे कि अधिकार बाँटने से लक्ष्य को जल्दी पाया जा सकता और अधिक लोगों तक कम समय में ईश्वर का वचन पहुँचाया जा सकता है।

तुम्हे मुफ्त में मिला है मुफ्त में दे दो (मत्ती 10:8)। प्रभु द्वारा प्रदत्त हर चीज एक तोहफा है हम इस का उपयोग ऐंसे करें कि दूसरों का भला हो। प्रेरितों में एक संत बरथलोमियों ने भी ईश्वर से प्राप्त हर शक्ति और वरदान का प्रयोग येसु के सुसमाचार के प्रसार और लोगों की भलाई में खर्च किया। हम भी स्वार्थता की गुलामी को छोड़कर ईश्वर प्रदत्त वरदानों का सदुपयोग करने की कृपा के लिए प्रार्थना करें।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019